>

Title: Need to give facilities to Bheel Koli Scheduled Tribes in Badmer district, Rajasthan.

श्री हरीश चौधरी (बाड़मेर): सभापति महोदय, मेरे संसदीय क्षेत्र बाड़मेर में आठ प्रतिशत अनुसूचित जनजाति के लोग रहते हैं, जिनकी संख्या लगभग डेढ़ लाख है। मेरे संसदीय क्षेत्र में जो अनुसूचित जनजाति के भील कोली है, शायद इस देश में अगर सबसे बुरी हालत किसी की है, तो वहां के लोगों की है। आज केन्द्र सरकार ने अनुसूचित जनजाति के लोगों के लिए प्रावधान किये हुए हैं। ट्राइबल एरियाज में रहने वाले अनूसूचित जनजाति के लोगों के लिए हर प्रकार की व्यवस्था की हुई है, लेकिन डेजर्ट में जो अनुसूचित जनजाति के लोग रहते हैं, उनके लिए कुछ नहीं किया है।

सभापति महोदय, इस अनुसूचित जनजाति में शिक्षा का स्तर 25 से 30 प्रतिशत है। आज राजस्थान में बहुत मजबूत जनजाति भी है। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप सरकार को अपनी मांग बताइये।

श्री हरीश चौधरी : हमारे सहयोगी डॉ. किरोड़ीलाल मीणा जी का जो वर्ग है, उसके लिए मैं इनको बधाई देना चाहता हूं कि इस वर्ग में शिक्षा का स्तर बहुत अच्छा है। अभी आईएएस और आईपीएस का जो रिजल्ट निकला है, उसमें 60 प्रतिशत मीणा वर्ग के लोगों ने अपनी मेहनत से सफलता पायी है। एस.टीज. को ट्राइबल एरिया के लोगों की ही मार्फत सुविधाएं दी जायें, यह मैं केन्द्र सरकार से मांग करता हूं।

सभापति महोदय : श्री किरोड़ी लाल मीणा अपने आपको श्री हरीश चौधरी जी के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।